अमर उजाला
amarujala.com

Date: 15-03-2018 Page No. 4

डीएल और वोटर कार्ड से भी जुड़ेगा आधार कार्ड

एक्सपो मार्ट में इलेक्रामा के समापन पर आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री रविशंकर प्रसाद ने की घोषणा

अमर उजाला ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा।

आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बुधवार को यहां कहा कि भारत में 120 करोड़ लोगों के पास आधार कार्ड हैं। सरकार 2020 तक आधार को ड्राइविंग लाइसेंस और वोटर आईडी कार्ड से जोड़ेगी। इसके लिए सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से बात हो चुकी है। रूपरेखा भी तैयार हो रही है। इंडिया एक्सपो मार्ट एंड सेंटर में इलेक्ट्रिक उत्पादों के मेले इलेक्रामा-2018 के समापन पर उन्होंने यह घोषणा की।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री के सपने डिजिटल इंडिया की रूपरेखा तैयार है। देश में इस समय 109 करोड़ मोबाइल हैं। इनमें से 50 करोड़ स्मार्ट फोन हैं। 50 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन हैं। 30 करोड़ गरीबों के जन-धन खाते खुले हैं। 120 करोड़ आधार कार्ड बने हैं। रोज छह करोड़ लोग किसी न किसी काम में आधार का उपयोग कर रहे हैं। मनरेगा का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि तीन साल में तीन लाख करोड़ रुपये श्रमिकों को रोजगार के तहत दिए गए। पहले इनमें 57 हजार करोड़ रुपये अन्य जगह चले जाते थे। डिजिटल लेनदेन के चलते अब वह सही जगह पहुंचे। वहीं, किसानों के लिए 300 मंडियों को डिजिटल किया गया है। 10 से 14 मार्च तक पांच दिन तक चले इलेक्रामा-2018 में 2 लाख 60 हजार लोग पहुंचे। इनमें करीब एक लाख लोग खरीदार थे। पहले दो दिन शनिवार-रविवार को ही 50 हजार खरीदार पहुंचे थे।

समापन समारोह में संबोधित करते केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद।

डिजिटल इकोनॉमी 65 हजार करोड़ पहुंचाएंगे

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में भारत में केवल तीन कंपनियां मोबाइल बना रही थीं। वर्तमान में इनकी तादाद 118 है। इनमें से 54 केवल नोएडा-ग्रेटर नोएडा में हैं। 2020 तक भारत में ही यहां की जरूरत के 96 फीसदी मोबाइल बनने लगेंगे। 2014 में 19 हजार करोड़ का व्यापार था। वर्तमान में यह एक लाख 32 हजार करोड़ है। 2022 तक भारत की डिजिटल इकोनॉमी एक ट्रिलियन डॉलर (65 हजार करोड़ रुपये) पहुंचाने का लक्ष्य है।

देवरिया और गाजीपुर में भी खोले बीपीओ

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आईटी मंत्री होने के चलते युवाओं को रोजगार से जोड़ना प्राथमिकता है। पूर्व में कुछ स्थानों पर ही बीपीओ में युवा कार्यरत थे। अब कानपुर, लखनऊ, बरेली, कोहिमा, इंफाल, पटना, मुजफ्फरनगर समेत देवरिया और गाजीपुर में भी बीपीओ खुले हैं। इनमें युवा नौकरी कर रहे हैं। कोहिमा और इंफाल में तो अमेरिका से भी बिजनेस मिल रहा है।

भारत में बने माड्यूलर एमससी से ऊर्जा की बचत

विद्युत ऊर्जा के ट्रांसफर में होने वाले लॉस को बचाने के लिए नित्या इलेक्ट्रोकंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड ने एक एलवी मॉड्यूलर एमसीसी और एमवी बस डक्ट्स को लांच किया है। इलेक्रमा में एनईसी पवेलियन में कंपनी के एमडी प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि मेक इन इंडिया को बढ़ावा देती गौतमबुद्धनगर की कंपनी है और कंपनी की ओर से रिसर्च कर भारत में ही यह उत्पाद तैयार किए गए हैं जिससे ऊर्जा ह्रास को रोका जा सके।

अवार्ड देने के लिए नहीं मिले इंजीनियर

इलेक्रामा-2018 के दौरान देश के विभिन्न स्थानों से आए 300 शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए थे। इनमें से 109 उत्कृष्ट शोध चुने गए थे। इन्हें समापन समारोह के अवसर पर प्रमाण पत्र बांटे जाने थे। आयोजकों ने केंद्रीय मंत्री से प्रमाण-पत्रों का वितरण कराना तय किया था। समापन समारोह के दौरान इंजीनियर अवार्ड देने के लिए केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और अन्य तो खड़े हुए, लेकिन नाम पुकारे गए तो विजेताओं में से एक भी नहीं पहुंचा। बताया गया कि एक दिन पूर्व ही शोध प्रस्तुत करने के बाद अधिकतर चले गए थे। मंच पर विजेताओं के न पहुंचने पर आयोजन समिति के कू मेंबर युवाओं को ही सम्मानित कर दिया गया।